an>

Title: Need to enhance production in Bokaro Steel Plant.

श्री सुशील कुमार सिंह : महोदय, आपने एक अत्यंत महत्वपूर्ण विषय को शून्य प्रहर के तहत उठाने के लिए मुझे अवसर दिया है, इसके लिए मैं आपका आभारी हूं। मैं साथ ही साथ निवेदन करूंगा कि मैं कम से कम शब्दों में अपनी बात रखूंगा, लेकिन बीच में मुझे रोका-टोका न जाये।

महोदय, मैं आपके माध्यम से सदन और सरकार का ध्यान इस बात की ओर आकृष्ट करना चाहता हूं और यह बड़े सौभाग्य की बात है कि हम लोगों के वरिष्ट मंत्री आदरणीय वीरभद्र सिंह जी, जो इस विषय से संबंधित हैं, अभी सदन में उपस्थित हैं। मैं कहना चाहूंगा कि विगत 04 अगस्त से लगभग 17 दिनों से एशिया के सबसे बड़े स्टील प्लांट में उत्पादन प्रभावित हो रहा है। उसमें मात्र एक तिहाई उत्पादन हो रहा है। उस इकाई की प्रतिदिन 15 हजार मीट्रिक टन की उत्पादन क्षमता है, लेकिन उससे मात्र 5 से 6 हजार मीट्रिक टन स्टील प्रतिदिन उत्पादित हो रही है। उसके मात्र 2 फर्नेस चल रहे हैं और 3 फर्नेस पूरी तरह से बंद हैं। अब तक भारत सरकार को सात-आठ सौ करोड़ रूपये का नुकसान हो चुका है।

मैं आपका ध्यान इस बात के ऊपर आकृष्ट करना चाहता हूं कि वहां का जो मैनेजमेंट है, वहां के जो अधिकारी हैं, वे यह कह रहे हैं कि हमारा पूरा प्लांट अपनी पूरी क्षमता से कार्य कर रहा है और हर फर्नेस चालू है। सब कार्यरत हैं, कहीं कोई दिक्कत नहीं है। चूँकि मैं आपकी इज्ज़त करता हूँ, आपका सम्मान करता हूँ और आप एक अच्छे आदमी हैं, इसलिए आपके संज्ञान में इस बात को लाना चाहता हूँ, आपको जानकारी देना चाहता हूँ कि जब मैनेजमैंट का कहना है कि प्लांट पूरी तरह से चल रहा है तो फिर 15000 टन प्रतिदिन के बजाय मात्र 5000 से 6000 मीट्रिक टन स्टील का उत्पादन ही क्यों हो रहा है? मैं बोकारो स्टील प्लांट की बात कर रहा हूँ और इसके कारण देश के खजाने पर भारी बोझ पड़ रहा है। अभी तक सात-आठ सौ करोड़ रुपये का नुकसान हो चुका है और इसका जो दूसरा बुरा असर है, वह उसके सिंकिंग प्लांट पर भी पड़ रहा है, उसके कोको ओवन प्लांट पर भी पड़ रहा है, ये प्रभावित हो रहे हैं। अभी 40 वर्ष इस प्लांट को स्थापित हुए हो गए हैं, लेकिन 40 वर्षों में कभी भी सही तरीके से इसके मेनटेनेन्स पर ध्यान नहीं दिया गया। इसके पाइपलाइन पूरी तरह से जर्जर हो चुके हैं, नकली मुनाफ़ा दिखाया जाता है। मैं मंत्री महोदय का ध्यान इस बात की ओर आकृष्ट करना चाहता हूँ कि वे एक अच्छे और ज़िम्मेदार आदमी हैं।

सभापति महोदय : आप प्लांट का नाम तो बताइए।

श्री सुशील कुमार सिंह : बोकारो स्टील प्लांट, जो एशिया का सबसे बड़ा इस्पात उत्पादन करने वाला प्लांट है। ऐसा इसलिए हो रहा है कि जो निजी क्षेत्र में इस्पात का उत्पादन करने वाली कंपनियाँ हैं, वे कहीं न कहीं बीएसएल के मैनेजमैंट को प्रभावित करती हैं। ...(व्यवधान) इसके कारण सरकारी क्षेत्र में काम करने वाली इस बोकारो स्टील प्लांट का उत्पादन जान-बूझकर कम कराया जाता है ताकि बाज़ार में निजी क्षेत्र में उत्पादन करने वाली कंपनियों का वर्चस्व कायम रहे और बाज़ार की कीमतों पर उनका नियंत्रण रहे। मैं आपके माध्यम से माननीय मंत्री जी को कहना चाहता हूँ कि इसकी जाँच कराएँ कि क्षमता के हिसाब से उत्पादन कम क्यों हो रहा है। ...(व्यवधान)

सभापति महोदय : आप बैठ जाइए। आपकी बात रिकार्ड पर नहीं जाएगी।

*(Interruptions) â€¦**